

तारीख हुकम

मु. सं.

28.03.25

आप पत्रावली पेश हुई वकील  
 प्रार्थी व प्रार्थी को रक-रक कर आवक  
 बार-बार दिखायी गई किन्तु कोई इवाकिए  
 नहीं आया। वकील प्रार्थी को अप्रार्थीगन  
 की तस्वी हेतु तलवार समान पेश करके  
 के सिधे ~~क~~ पक्ष अवसर दिये जाते के  
 बावजूद भी तलवार समान पेश नहीं किया  
 गया। इतले भए स्वयं घेरा है कि प्रार्थी  
 अपने प्रार्थन को के प्रती गंभीर नहीं है  
 और प्रार्थन को चलय नहीं चाहे है।

अतः प्रार्थी को प्रार्थन पर  
 प्रार्थी वकील व प्रार्थी की अलग पंखी  
 व अफन दाखरी में रतारिज किश्य जाता  
 है। पत्रावली फौजल शुफा देकर मूल  
 वाद संलग्न रहे।

आदेश सुनाया गया  
 Marisat

pre-ku